

LOK SABHA

Wednesday, the 29th March, 1961/  
Chaitra 8, 1883 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

अयात किग गया अखबार कागज

+

- \*११७४. { श्री भक्त दर्शन :  
श्री राम कृष्ण गुप्त :  
श्री कुम्हिन :  
श्री पांगरकर :

क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री ३० नवम्बर, १९६० के अतारंकित प्रश्न संख्या १०६८ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि कुछ वास्तविक उपभोक्ताओं द्वारा आयात किये गये आखबारी कागज के दुरुपयोग के बारे में जो जांच-पड़ताल चल रही थी उसका क्या परिणाम निकला ?

The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah): The investigations are still in progress.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि इस जांच पड़ताल में इतनी देरी क्यों लग रही है ?

श्री मनुभाई शाह : अब इस में बहुत से मुद्दे शामिल हैं और इनकायरी काफी गहरी करनी है। वह केस तो दर्ज कर लिया गया है लेकिन उसकी इनवेस्टिगेशन में ज्यादा टाइम लग रहा है।

2402 (A) LSD—1.

श्रीभक्त दर्शन : श्रीमन्, जिन समाचार-पत्रों के खिलाफ इस तरह की शिकायत मिली थी तो केवल उनके खिलाफ जांच ही की जा रही है या इस बीच में उनके खिलाफ कोई कार्यवाही भी की गई है ?

श्री मनुभाई शाह : नहीं वह तो मूकदमा दर्ज किया जायगा जबकि सारी रिपोर्ट तैयार हो जायगी। हम उनको छोड़ने वाले नहीं हैं उनको प्रासिक्युट किया जायगा।

Shri D. C. Sharma: What is the amount of money involved in this misuse of imported newsprint?

Shri Manubhai Shah: As far as this particular case is concerned, when the place was raised they got about two tons of foreign newsprint. One does not know the total actual quantities involved. After the investigations are over, the actual quantities could be assessed.

श्री प्र० सु० तारिक : क्या यह दुस्त है कि ऐसे अखबार वाले जोकि इस शिकायत में शामिल हैं उनको नये अखबार जारी करने के लिये भी कागज का लाइसेंस दिया गया है और अगर यह दुस्त हो तो मैं जानना चाहता हूँ कि इस तरीकेदार को क्यों अग्रनाया गया ?

[क्या ये दुस्त है के अखबार वाले जो के अस शकार से सार्ल हस अन कु नू अखबार जासु करने के लूे बेसु का लानसुस दूा कूा है लूू अरु ये दुस्त हु तु ससु जांना जासुतु हुन के अस शरुते के कु कु कुहुन  
[पूलाया कूा -]

श्री मनुभाई शाह : जब तक कोई चीज सबकुडिस होती है तब तक हम यह नहीं कह

सकते कि किसने क्या जुर्म किया। वह तो सारी जब इनवैस्टिगेशन पूरी हो जायगी और मुकद्दमे का फंसला आयेगा तब हम जरूर इस पर विचार करेंगे।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या मंत्री महोदय को यह पता है कि उसके लिये प्र खबारों के जो एजेंट्स मुनररर किये जाते हैं न्यूजप्रिंट देने के लिये वे कुछ वक्त के बाद इन न्यूजप्रिंट के दाम बढ़ा कर बेचते हैं.....

**उपाध्यक्ष महोदय :** यह सवाल यहां से नहीं होगा।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** न्यूजप्रिंट का सवाल है।

**उपाध्यक्ष महोदय :** न्यूजप्रिंट के बारे में जनरल डिमकशन तो नहीं करना है।

This is a particular investigation. That is all.

**Shri M. L. Dwivedi:** But the press is using that newsprint.

**Mr. Deputy-Speaker:** Order, order. I hold that opinion.

**Shri Tangamani:** May I know the name or names of the users of this newsprint?

**Shri Manubhai Shah:** It will be rather premature to disclose the names. As soon as the investigation is over and Government decides on prosecution, then all the facts will be known.

**Shri N. R. Muniswamy:** Who conducts the investigation? Is it non-official or departmental? What are terms of reference?

**Shri Manubhai Shah:** This is criminal investigation under the IPC and Cr. P.C. It is not done non-officially. It is done by government departmentally. It is normal governmental investigation for prosecution.

**श्री बख्तराज सिंह :** श्रीमन्, क्या यह सही है कि जिन प्रखबारों के खिलाफ यह शिकायत है उनकी प्रखलाओं ने जो अभी कुछ आर्थिक

पत्र शुरू किये हैं उन आर्थिक पत्रों को भी न्यूजप्रिंट दिया गया है और यदि नहीं दिया गया है तो क्या उन प्रखलाओं को अपने कोटे में से पत्र निकालने की इजाजत दी गई है ?

**Mr. Deputy-Speaker:** That does not arise out of this question.

**Shri Ramanathan Chettiar:** May I know whether on account of mal-practices of one or two people, the genuine consumers of newsprint, especially daily and weekly journals, are handicapped by not getting their adequate quota and, if so, what steps Government will take to improve the position and see that the genuine users do not suffer?

**Mr. Deputy-Speaker:** That is not connected with this question.

**Shri Ramanathan Chettiar:** It is quite relevant in the sense....

**Mr. Deputy-Speaker:** In my opinion, it is not so.

**Shri Jaganatha Rao:** May I know how long the investigation is going on?

**Shri Manubhai Shah:** We have started it and we are trying to expedite it. But, as far as criminal investigation is concerned, we cannot....

**Shri Jaganatha Rao:** How long is it pending?

**Shri Manubhai Shah:** One cannot say when the criminal investigation would be completed. We are trying to expedite it as much as possible.

#### Scooters and Motor-cycles

- +
- \*1178. { **Shri Bibhuti Mishra:**  
**Shri Ajit Singh Sarhadi:**  
**Shrimati Ila Palchoudhuri:**  
**Shri P. C. Borooah:**  
**Shri P. G. Deb:**  
**Shri Sampath:**  
**Dr. Ram Subhag Singh:**

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) how far India is self-sufficient in the manufacture of scooters and motor-cycles;